प्रो० श्रीपति त्रिपाठी
[illegible]

Prof. Shripati Tripathi
Prof. & Head
P.G. Dept. of Dharmashastra
K. S. D. S. University
Kameshwar Nagar, Darbhanga, Bihar
[illegible]

पत्रांक : ____________ दिनांक : ____________

भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति में यज्ञ, संस्कार, आह्निक कर्म एवं व्रतादि का विशेष महत्त्व है। इनके शास्त्रोक्तविधि से सम्पादन से ही कर्ता समुचित फल पा सकता है। वस्तुतः इन श्रौत एवं स्मार्त कर्मों की सम्पादनविधि ही कर्मकाण्ड है। कर्मकाण्डों के सम्पादक अनेक कर्मकाण्डीय ग्रन्थों का निर्माण संस्कृतसाहित्य में किया गया है किन्तु वे सर्वसामान्य के लिए न तो सुलभ हैं और न ही वोधगम्य। कर्मकाण्ड के विशेषज्ञों की सुगम उपलब्धि समाज को नहीं हो पाती है। फलतः अध्यात्म एवं कर्मकाण्ड में आस्था रखने वाला व्यक्ति चाहकर भी इन आवश्यक कर्मों का सम्पादन नहीं कर पाता है अथवा तथाकथित कर्मकाण्डियों के द्वारा केवल ठगा जाता है। समाज में यह भी दृष्टिगत होता है कि धनाभाव के कारण दक्षिणा देने में असमर्थ व्यक्ति की मनोकामनाएँ उसके मन में ही रह जाती हैं।

ऐसी स्थिति में सुदूरक्षेत्रों में रह रहे हिन्दुओं एवं साधनहीन व्यक्तियों के दैनिक कृत्यों एवं विशेष कृत्यों के सफल एवं शास्त्रीय सम्पादन के सौविध्य को देखते हुए panditonline.org वेबसाईट का निर्माण कार्य बहुत ही समाजोपयोगी होगा जिसका अवलोकन कर समाज का प्रत्येक व्यक्ति विल्कुल शास्त्रीयविधि से कर्मकाण्डों का सम्पादन कर मनोवांछितफल प्राप्त कर सकेगा।

भारतीय धर्म एवं आचार के संरक्षण हेतु डॉ. नरोत्तम मिश्र द्वारा किए गए इस अद्वितीय कार्य के लिए मैं उन्हें हार्दिक धन्यवाद देता हूँ तथा इस कार्य की सफलता की कामना करता हूँ।

श्रीपति त्रिपाठी

प्रो. श्रीपति त्रिपाठी

आवास : न्यू क्वार्टर नं० 7, श्यामाबाग, का० सिं. द. सं. विश्वविद्यालय कैम्पस, दरभंगा

Scanned with CamScanner